**उत्तरदाता कम्पनी को अपनी परिसम्पत्तियों को विक्रय करने या हस्तान्तरित करने से रोकने के लिए प्रार्थना-पत्र**

**(Application for restraining Respondent Company from selling, alienating its assets)**

न्यायालय.........

सी०ए०नं० ............ सन् ............

कम्पनी याचिका संख्या ............ सन् ............ में

(कम्पनीज एक्ट, 1956 के अन्तर्गत मामले में)

और

अ० ब०स० ............ वादी

**बनाम**

स०द० फ० ............ प्रतिवादी

उत्तरदाता कम्पनी को अपनी परिसम्पत्तियों को विक्रय करने व हस्तान्तरित करने और बैंक एकाउण्टस के संचालन को याचिका के लंबित रहने या निस्तारण तक धारा 443 कम्पनीज एक्ट 1956 सपठित नियम 9 कम्पनीज नियमावली, 1959 के अन्तर्गत रोकने के लिए प्रार्थना पत्र ।

श्रीमान जी,

प्रार्थी सविनय निम्न प्रकार निवेदन करता है :

1. यह कि प्रार्थी द्वारा उत्तरदाता कम्पनी के परिसमापन कराने हेतु याचिका दायर कर रखी है चूंकि उत्तरदाता कम्पनी अपने देययों के निपटारे की स्थिति में नहीं है। उपरोक्त याचिका में दायर तथ्यों को प्रार्थना-पत्र का भी भाग माना जा सकता है।
2. यह कि प्रार्थी को विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि उत्तरदाता कम्पनी के अनेकों लेनदार है और कम्पनी अपने ऋणों को चुकाने की स्थिति में नहीं है।
3. यह कि प्रार्थी को यह भी ज्ञात हुआ है कि उत्तरदाता का प्रबन्धन अपनी पूँजी को अन्य स्थानों पर नियोजित कर सकता है और जिस कारण से लेनदार अपने कर्ज की राशि को उत्तरदाता कम्पनी से वसूल नहीं कर सकेंगे।
4. यह कि इन परिस्थितियों में उत्तरदाता कम्पनी कुप्रबन्ध का शिकार हो चुकी है और याची का विश्वास है कि यदि आपाती निर्देश अथवा आदेश पारित नहीं किये जाते हैं तो उत्तरदाता कम्पनी इसके निदेशकों द्वारा समाप्त कर दी जायेगी।
5. यह कि प्रार्थी को अपर्णीय क्षति और गहरा आघात लगेगा यदि तत्काल प्रभाव से आदेश पारित नहीं किये जाते हैं।
6. यह कि सुविधा का संतुलन पूर्णतया प्रार्थी के हित में है और उत्तरदाता के विरुद्ध है।

**प्रार्थना**

इसलिए सविनय निवेदन है कि मान्य न्यायालय द्वारा उत्तरदाता कमानी हो मुम्न प्रकार रोका जाये।

(क) अपनी परिसम्पत्तियों को विक्रय करने व हस्तान्तरित करने से ।

(ख) औरियंटल बैंक आफ कॉमर्स नेहरू पलेस ब्रान्च, नई दिल्ली में विद्यमान अपने बैंक खाते को कम्पनी की याचिका के निस्तारण तक संचालन करने से।

**स्थान ............ दिनांक ......... प्रार्थी........**

**द्वारा अधिवक्ता.........**

**शपथपत्र**

**(Affidavit)**

न्यायालय.........

सी० ए० नंबर ............ सन् ............

कम्पनी याचिका संख्या ......... सन् ...........

(कम्पनीज एक्ट, 1956 के मामले में)

और

अ०ब०स० .......... (पेटिश्नर) याची

**बनाम**

स०द०फ० ............ उत्तरदाता

मैं कि .......... पुत्र ........... निवासी .......... शपथपूर्वक प्रतिज्ञापूर्वक निम्न कथन करता हूँ :

1. यह कि मैं ............ का मालिक और प्रार्थी उपरोक्त मामले में हूँ और मैं शपथपत्र दायर करने हेतु सक्षम हूँ।
2. यह कि संलग्न प्रार्थना-पत्र के तथ्यों को मेरे द्वारा पढ़ा गया है जो कि धारा 443 (6) सपा०० नियम 9 कम्पनीज (कोर्ट) नियमावली, 1959 के अन्तर्गत है और इसलिए कह सकता हूँ कि उसन दिये गये तथ्य मेरी जानकारी में सत्य हैं।

**..... शपथकर्ता**

**सत्यापन**

सत्यापित-दिनांक ............ दिन ............ स्थान ............ मैं सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र के तथ्य मेरी जानकारी में सत्य हैं और उसमें कोई तथ्य छिपाया नहीं गया है।

**...... (शपथकर्ता)**